एक नजर में

मोबाइल का अधिक उपयोग बच्चों के विकास के लिए घातक

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेर्शानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषीश्वर के मार्गदर्शन में जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डीईआईसी) गुना में 'विश्व आत्मकेंद्रित जागरूकता दिवस' के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य उद्देश्य बच्चों के माता-पिता को आत्मकेंद्रित अवस्था (ऑटिज्म) के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञों ने आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार (ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर), जो बच्चों के मानसिक और व्यावहारिक विकास से जुड़ी एक अवस्था है, के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा कि यदि समय रहते इस अवस्था की पहचान कर ली जाए और सही हस्तक्षेप किया जाए, तो बच्चों के विकास में सकारात्मक सुधार लाना पूरी तरह संभव है। विशेष शिक्षक प्रीति श्रीवास्तव ने अभिभावकों को आत्म केंद्रित अवस्था के प्रमुख लक्षणों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यदि बच्चा आंखों से संपर्क (आई कॉन्टैक्ट) कम करता है, बोलने में देरी करता है, सामाजिक मेलजोल में रुचि नहीं लेता या किसी एक ही व्यवहार को बार-बार दोहराता है, तो यह इस अवस्था के संकेत हो सकते हैं। विशेषज्ञों की सलाह लेना आवश्यक है।

पुलिस बल की निगरानी में निकला जन्मोत्सव का जुलूस

जय श्रीराम और जय हनुमान के नारों से गुंजायमान हुआ गुना

नवभारत न्यूज

गुना 2 अप्रैल का। संकट मोचक, राम भक्त और कलियुग के देवता श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव गुरुवार को जिलेभर में विशेष उत्साह, आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया। हमेशा की तरह इस बार भी गुना जिले के सबसे बड़ा धार्मिक स्थल श्री हनुमान टेकरी धाम पर विशेष महोत्सव मनाया गया। सुबह 4 बजकर 15 मिनट पर हुई मंगला आरती में हजारों श्रद्धालु उमड़े और दर्शन लाभ लिया।

इसके बाद दिनभर टेकरी धाम पर श्रद्धालुओं का रैला लगा रहा। जिला प्रशासन और टेकरी ट्रस्ट का अनुमान है कि इस बार करीब 2 लाख से ज्यादा भक्तों ने हनुमान जी महाराज के दर्शन किए और मेले का भी लुत्फ उठाया। श्री हनुमान जन्मोत्सव के दौरान धर्म रक्षक समिति एवं विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा भव्य चल समारोह निकाला गया। बीते वर्ष कर्नलगंज क्षेत्र में हुए विवाद को देखते हुए इस बार प्रशासन पूरी तरह सतर्क

नजर आया। डीआईजी और एसपी के नेतृत्व में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे जुलूस बिना किसी बाधा के अपने गंतव्य तक पहुंचा। बता दें कि पिछले साल की अप्रिय स्थिति से सबक लेते हुए इस वर्ष कर्नलगंज और आसपास के संवेदनशील इलाकों को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया था।

एसपी हितिका वासल ने स्वयं कई बार क्षेत्र का निरीक्षण किया। सुरक्षा की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पड़ोसी जिलों ग्वालियर, शिवपुरी और अशोकनगर से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया था। कर्नलगंज क्षेत्र में सुरक्षा की कमान एसडीएम शिवानी पांडे, तहसीलदार गौरीशंकर बैरवा और दोनों थानों के टीआई ने संभाल रखी थी।

सुरक्षा कारणों से कर्नलगंज के कुछ संस्थान जुलूस के दौरान बंद रखे गए। चल समारोह का शुभारंभ कोल्हुपुरा सरकारी स्कूल माता मंदिर से हुआ। रथ पर विराजमान संकट मोचन बजरंगबली की झांकी आकर्षण का केंद्र रही।

इन इलाकों में तैनात रही पुलिस

हाथों में भगवा ध्वज लिए श्रद्धालु जय श्री राम के उद्घोष के साथ झूमते-नाचते नजर आए। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर जुलूस का भव्य स्वागत किया गया। चल समारोह कोल्हुपुरा से शुरू होकर कर्नलगंज, खटीक मोहल्ला, निचला बाजार और सदर बाजार होते हुए जयस्तंभ चौराहा स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचा। यहां महाआरती के साथ समारोह का विधिवत समापन हुआ। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन की मुस्तैदी और स्थानीय सहयोग के चलते इस वर्ष पूरे जिले की निगाहें कर्नलगंज क्षेत्र पर टिकी थीं, जहां सुरक्षा व्यवस्था बेहद चाक-चौबंद रही।

समाजसेवियों ने किया श्रद्धालुओं का स्वागत

हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर शहर में भक्ति और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर शारदा जागृति महिला समिति द्वारा मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशाल सेवा शिविर का आयोजन किया गया। समिति ने भीषण गर्मी को देखते हुए शीतल पेयजल, शरबत, फल, खिचड़ी और पोहे का वितरण कर सेवा की मिसाल पेश की। इस दौरान समिति संस्थापक प्रीति मंगल, अध्यक्ष शोभा रघुवंशी, सचिव कुसुम शर्मा, उपाध्यक्ष मनाली नामदेव, कोषाध्यक्ष शालिनी धाकड़, सहसचिव ज्योति नामदेव और मीडिया प्रभारी काजल अवस्थी सक्रिय रहीं। साथ ही सरोज भार्गव, साधना नामदेव, उर्मिला जाट, ज्योति सुमन, प्रीति शर्मा, रामदुलारी शर्मा, ममता पालीवाल, राज श्री श्रीवास्तव, नीलम बाजपेई और सावित्री टेटवाल सहित अन्य बहनों ने भी अपनी सेवाएं दीं।

साझा प्रयास से ऐतिहासिक रहा टेकरी मेला, भक्ति की सुनामी

हनुमान टेकरी पर आयोजित होने वाला मेला वैसे तो हर साल ही खास माना जाता है। लेकिन इस बार टेकरी ट्रस्ट, जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, पुलिस विभाग की मुखिया हितिका वासल कई दिनों से मेले के आयोजन को लेकर साझा प्रयास में जुटे हुए थे। इस बार महाभारत कालीन टेकरी पहाड़ी पर विराजमान हनुमान जी महाराज के निज प्रांगण का श्रृंगार गुना के गुलाब और फूलों की विशेष प्रजाति आर्केट, रजनीगंधा, मोगरा से किया गया था। श्री हनुमान जन्मोत्सव की औपचारिक शुरुआत सुबह की मंगला आरती से हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने का सिलसिला शुरु हुआ। हमेशा की तरह शहर के आम नागरिकों ने मेले में रुचि जाहिर करते हुए हनुमान टेकरी मंदिर तक आने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत भी किया। गुना के हनुमान टेकरी रोड के अलावा शहर में जगह-जगह शरबत, शीतल पेयजल और फलाहार आदि वितरित करने के लिए श्रद्धालुओं द्वारा स्टॉल लगाए गए। वहीं मेला प्रांगण में भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टेकरी ट्रस्ट की ओर से प्रसाधन, छांव और पेयजल की व्यवस्था की गई थी। जिला प्रशासन के निर्देश पर एक स्वास्थ्य कैंप भी लगाया गया। वहीं टेकरी ट्रस्ट ने भी 500 से ज्यादा स्वयं सेवक श्रद्धालुओं के सहयोग और निगरानी के लिए तैनात किए, जिन्होंने रात 12 बजकर 15 मिनट पर हुई शयन आरती तक अपनी सेवाएं दीं। कुल मिलाकर टेकरी मंदिर पर आयोजित मेला इस बार भी ऐतिहासिक रहा, जिसमें श्रद्धा का सैलाब और भक्ति की सुनामी नजर आई।

हनुमान टेकरी पर आरती में शामिल हुईं नपाध्यक्ष-एसपी

नवभारत न्यूज

गुना। हनुमान जन्मोत्सव के पावन उपलक्ष्य में शहर के सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री हनुमान टेकरी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। पर्व की शुरूआत में ही अलसुबह 4 बजे आयोजित विशेष आरती में नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता और पुलिस अधीक्षक (एसपी) हितिका वसाल ने सम्मिलित होकर टेकरी सरकार के चरणों में मत्था टेका।

इस गरिमामयी धार्मिक आयोजन के दौरान पार्षद बबिता साहू और पार्षद अनिता कुशवाह

भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। आरती के भक्तिमय वातावरण में सभी ने मिलकर गुना जिले के निरंतर विकास, शांति और नागरिकों की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। यह कार्यक्रम नगरवासियों के बीच अटूट आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर उभरा। भोर की पहली किरण के साथ शुरू हुई इस आरती में सभी ने संकट मोचन हनुमान जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर 'जय श्री राम' के जयकारों से गुंजायमान रहा और श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ इस पावन उत्सव की शुरूआत की।

विश्व हिन्दू परिषद-बजरंगदल ने राहगीरों को दी भीषण गर्मी से राहत

नवभारत न्यूज

गुना। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा जनसेवा की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए शहर में शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ किया गया है। भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए राहगीरों और आमजन को ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्याऊ की शुरूआत बड़े पुल के पास स्थित काली माता मंदिर के सामने की गई है।

इस पुण्य कार्य के उद्घाटन अवसर पर पूज्य संत श्री दास महाराज (भुजरिया तालाब) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में संगठन के प्रांतीय संगठन मंत्री सुरेंद्र भाई साहब, प्रांतीय संयोजक अवधेश तिवारी, प्रांतीय सत्संग प्रमुख सुरेश शर्मा, जिला मंत्री राकेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण ओझा,

जिला सह मंत्री राजेंद्र कुशवाहा एवं जीतू जैन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे कंठों को पानी पिलाना सबसे बड़ा परोपकार और पुण्य का कार्य है। संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि समाज हित में इस प्रकार के सेवा कार्य भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे। आयोजन के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों ने मिलकर समाज सेवा के इस संकल्प को और अधिक विस्तार देने की शपथ ली।

बिजली संकट की आहट, कर्मचारियों ने फूंका आंदोलन का बिगुल, गुना कंपनी दफ्तर के बाहर में जोरदार प्रदर्शन

गुना। प्रदेश में बिजली संकट गहराने के संकेत मिल रहे हैं। क्योंकि अपनी 13 सूत्रीय वर्षों से लंबित मांगों को लेकर मध्य प्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ ने शासन-प्रशासन के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है।

इस आंदोलन के प्रथम चरण में 6 मार्च को ऊर्जा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसके बाद 16 मार्च को प्रत्येक जिले में आंदोलन की सूचना दी गई और आज यानी 2 अप्रैल को पूरे प्रदेश के साथ-साथ गुना जिले में भी बिजली कर्मचारियों द्वारा एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया गया। गुना में आयोजित इस धरने में लगभग 200 बिजली कर्मचारियों के साथ-साथ भारतीय मजदूर संघ के विभिन्न अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य भी अपनी एकजुटता दिखाने के लिए मौजूद रहे। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में विभाग में कार्यरत सभी संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण करना और नियमित कर्मचारियों की वेतन विसंगति को दूर करना शामिल है। यदि शासन द्वारा इन मांगों पर समय रहते विचार नहीं किया गया, तो 16 अप्रैल से शुरू होने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल से पूरे प्रदेश की बिजली व्यवस्था ठप हो सकती है।

यूपी-हरियाणा की तरह संचालन की मांग

इसके साथ ही संगठन की मांग है कि आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए उत्तर प्रदेश और हरियाणा की तर्ज पर अलग कंपनी का गठन किया जाए तथा विभाग के तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों के लिए गृह जिला स्थानांतरण नीति लागू करते हुए उन्हें उनके गृह जिलों में पदस्थापना दी जाए। साथ ही, विद्युत सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन का भुगतान शासन के जिला कोषालय से करने और भुगतान में होने वाले विलंब व व्यवधान की समस्या के स्थाई समाधान की मांग भी पुरजोर तरीके से उठाई गई है।

श्रमिक को मिली 2 .49 लाख की ग्रेच्युएटी

गुना। श्रमिक हितों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'उपादान (ग्रेच्युएटी) भुगतान अधिनियम 1972' के अंतर्गत एक श्रमिक को उसकी लंबित राशि का भुगतान कराया गया है। नियंत्रण प्राधिकारी श्री आशीष कुमार तिवारी द्वारा मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद जारी किए गए आदेश के परिपालन में यह कार्रवाई सुनिश्चित की गई। आदेशानुसार, प्रेम मोटर्स ग्वालियर के एच.आर. प्रबंधक योगेन्द्र यादव कार्यालय में उपस्थित हुए। उन्होंने पात्र श्रमिक स्टेफन अन्द्रे को 2,49,375 रुपये की सम्मानजनक राशि का चेक प्रदान किया।

गढ़ा गांव में खेत की रखवाली करने गए किसान की संदिग्ध मौत

गुना। झागर चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गढ़ा में एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। 35 वर्षीय किसान का शव पड़ोसी के कुएं में मिलने से गांव में सनसनी फैल गई है। जानकारी के मुताबिक ग्राम गढ़ा निवासी 35 वर्षीय जगदीश सहरिया मंगलवार की रात करीब 9 बजे अपने खेत पर कटी हुई गेहूं की फसल की रखवाली करने के लिए घर से निकले थे। जब वे अगली सुबह तक घर वापस नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उनकी तलाश शुरू की। परिजनों ने तलाश के दौरान जब पड़ोसी के कुएं के पास जाकर देखा, तो वहां पानी में जगदीश के जूते और जर्दा का पैकेट तैरता हुआ नजर आया। अनहोनी की आशंका होने पर ग्रामीणों को सूचित किया गया। ग्रामीणों की मदद से कुएं में खोजबीन की गई, जिसके बाद जगदीश का शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही झागर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल पहुंचाया। गुरुवार की सुबह 10 बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। फिलहाल शव का पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मौत के कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पहलू से मामले की बारीकी से जांच कर रही है कि यह महज एक हादसा है या इसके पीछे कोई अन्य कारण।

> **पड़ोसी के कुएं में मिला शव, पुलिस कर रही मामले की जांच**

इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीण जल्द से जल्द मामले के खुलासे की मांग कर रहे हैं।

अवैध एलपीजी भंडारण पर होगी सख्त कार्रवाई कलेक्टर ने दिए छापामार कार्रवाई के निर्देश

गुना। कलेक्ट्रेट सभागार में आज कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में कृषि, उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सुरक्षा और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए खाद्य विभाग को स्पष्ट चेतावनी दी कि जिले में एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण पर पूरी तरह सख्ती बरती जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे संदिग्ध स्थानों को चिन्हित कर तत्काल छापामार कार्रवाई सुनिश्चित करें।

समीक्षा के दौरान खाद्य विभाग के अधिकारियों ने एक उत्साहजनक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पिछले दो माह के राशन वितरण के मामले में गुना जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसके चलते जिले को पूरे मध्य प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। बैठक में कलेक्टर ने मत्स्य विभाग को जिले में मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष कार्ययोजना पर काम करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि जहाँ उत्पादन हो रहा है, वहाँ निरंतरता बनी रहे और उत्पादन को अधिकतम स्तर तक ले जाया जाए। इसके साथ ही मत्स्य पालन समितियों के सभी सदस्यों के अनिवार्य रूप से किसान क्रेडिट कार्ड बनाने और इस कार्य में गति लाने पर बल दिया गया।

पंजीयन और पराली प्रबंधन पर चर्चा

बैठक में ई-विकास के तहत पंजीयन प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई, जिसमें प्रक्रिया को सरल बनाकर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए गए। वहीं, पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने नरवाई (पराली) जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने और ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की हिदायत दी।

मंदिर पर झंडा चढ़ा रहा युवक छत से गिरा, गंभीर घायल

नवभारत न्यूज

गुना। हनुमान जयंती के पावन पर्व पर एक दुखद हादसा सामने आया है। कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत कालापाठा स्थित हनुमान मंदिर में झंडा चढ़ाते समय एक श्रद्धालु असंतुलित होकर छत से नीचे गिर गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण घायल को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया है।

बताया जा रहा है कि कालापाठा निवासी गोपाल प्रजापति गुरुवारकी सुबह करीब 7 बजे हनुमान जी के मंदिर में झंडा अर्पित करने पहुंचे थे। वे मंदिर की छत पर झंडा लगा रहे थे, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वे सीधे नीचे गिर पड़े। ऊंचाई से गिरने के कारण गोपाल के सिर में गंभीर चोट आई और वे मौके पर ही बेहोश हो गए। वहां मौजूद अन्य श्रद्धालुओं ने तुरंत उन्हें संभाला और एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान उनकी स्थिति नाजुक बनी रही। सिर की चोट की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए तुरंत भोपाल रेफर कर दिया है।

एक ओर जहां सुबह से ही हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है और उत्सव का माहौल है, वहीं इस हादसे के बाद कालापाठा क्षेत्र और घायल के परिवार में चिंता और गम का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा अचानक हुआ जिससे किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। फिलहाल, परिजन उन्हें लेकर भोपाल रवाना हो गए हैं जहाँ उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

भैंसाना में महायज्ञ की तैयारियां तेज

गुना। रुठियाई क्षेत्र के ग्राम भैंसाना में आगामी दिनों में भक्ति और श्रद्धा का अनूठा समागम देखने को मिलेगा, जहाँ एक भव्य महायज्ञ के आयोजन की तैयारियाँ युद्ध स्तर पर जारी हैं। यज्ञ के आयोजक श्री गुड्डा महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि इस धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ 18 मई से होने जा रहा है, जिसका विधि-विधान से समापन और पूर्णाहुति 29 मई को संपन्न होगी। इस महायज्ञ की सबसे विशेष बात यह है कि इसमें बड़ी संख्या में सेवादार स्वेच्छा से अपनी सेवाएँ पूरी तरह नि:शुल्क प्रदान कर रहे हैं। ग्राम भैंसाना में श्रद्धा का भाव इस कदर व्याप्त है कि यहाँ पिछले 2 महीनों से लगातार भोजन भंडारा संचालित किया जा रहा है, जिसमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी बढ़-चढ़कर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। यज्ञ को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है और आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

आधुनिक उद्यानिकी

पॉलीहाउस में गुलाब की खेती से किसान कमाएंगे 15 लाख तक का मुनाफा

झाझौन से 'गुलाब चौपाल अभियान' का आगाज

नवभारत न्यूज

गुना 2 अप्रैल का। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में उद्यानिकी विभाग द्वारा ग्राम पंचायत भवन झाझौन से 01 अप्रैल को 'गुलाब चौपाल अभियान' की शुरूआत की गई। इस अभियान के माध्यम से जिले के विभिन्न गांवों के किसानों को आधुनिक उद्यानिकी तकनीकों और हाई-टेक खेती से जोड़ा जाएगा। झाझौन में आयोजित इस पहली चौपाल में क्षेत्र के किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में उप संचालक उद्यान के.पी.एस. किरार ने किसानों को संबोधित करते हुए

बताया कि पॉलीहाउस में गुलाब की खेती भविष्य की खेती है। उन्होंने आंकड़ों के जरिए स्पष्ट किया कि पॉलीहाउस तकनीक अपनाकर किसान प्रति एकड़ लगभग 14 से 15 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ अर्जित कर रहे हैं, जो परंपरागत फसलों की तुलना में कई गुना ज्यादा है।

तकनीकी आधुनिकता पर जोर देते हुए विभाग ने जानकारी दी कि चयनित पॉलीहाउसों में अब सेंसर बेस्ड ऑटोमेशन फर्टिगेशन सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं। इससे उत्पादन पूरी तरह वैज्ञानिक और उच्च गुणवत्ता वाला होगा। जिले के प्रगतिशील किसान अब केवल स्थानीय मंडियों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि निर्यात लाइसेंस प्राप्त कर अपने गुलाबों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजने की तैयारी कर रहे हैं। इसी दिशा में ग्राम बिलोनिया में लगभग 70 बीघा क्षेत्र में 15 करोड़ रुपये की लागत से गुलाब उत्पादन का उत्कृष्ट केंद्र विकसित किया जा रहा है।

विशेषज्ञों ने दी योजनाओं की जानकारी

चौपाल के दौरान किसानों को पॉलीहाउस निर्माण, बैंक ऋण प्रक्रिया, विपणन (मार्केटिंग), विभागीय सब्सिडी, ड्रिप एवं मल्चिंग अनुदान तथा सब्जियों की वैज्ञानिक खेती पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में सरपंच लक्ष्मण सिंह यादव, पोलीहाउस तकनीकी शाखा के जिला प्रभारी मनोज राठौर, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी (आरोन) हरेंद्र रघुवंशी, दीक्षा ग्रीनहाउस के डायरेक्टर प्रदीप परिहार, ग्रीनटेक पॉलीहाउस के डायरेक्टर गोविंद द्विवेदी तथा ड्रिप व स्प्रिंकलर डीलर्स बबलू किरार एवं प्रदीप शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान और विशेषज्ञ उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने उन्नत किस्मों के चयन और बाजार की मांग के अनुसार उत्पादन करने पर जोर देते हुए किसानों की शंकाओं का समाधान भी किया।